दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

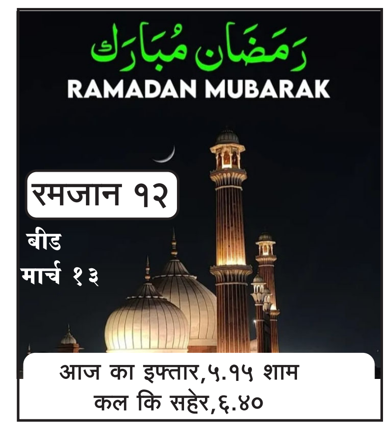

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२२० वा | बुधवार १३ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

प्रयागराज एयरपोर्टसे सतीश भोसले गिरफ्तार

बीड और यूपी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

बीड, १२ मार्च (प्रतिनिधि) - भाजपा विधायक सुरेश धस के कार्यकर्ता सतीश उर्फ खोक्या भोसले, जिसने एक व्यक्ति को अर्धनग्न कर बेरहमी से पीटा था, को बीड पुलिस ने प्रयागराज एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। वह पिछले छह दिनों से फरार था।

गुनाह दर्ज होने के बाद से ही पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस कर रही थी, और उसका अंतिम लोकेशन प्रयागराज में मिला। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रयागराज पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार किया गया। बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने यह जानकारी दी।

पुलिस जल्द लाएगी बीड

पुलिस अधीक्षक कांवत ने बताया कि बीड पुलिस की टीम प्रयागराज पहुंच चुकी है और संभवतः कल या परसों तक उसे बीड लाया जाएगा। चूंकि गिरफ्तारी दूसरे राज्य में हुई है, इसलिए आज ही ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे हिरासत में लिया जाएगा।

गंभीर अपराधों में मामला दर्ज

सतीश उर्फ खोक्या भोसले पर पहले से ही दो केस धारा ३०७ (हत्या का प्रयास) और एक केस एनडीपीएस (नशीले पदार्थों की तस्करी) के तहत दर्ज हैं, पुलिस ने इसकी पुष्टि की है।

धार्मिक वैमनस्य फैलाने वाले नितेश राणे को तुरंत मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें

हर्षवर्धन सपकाळ की मुख्यमंत्री से मांग

मुंबई, १२ मार्च (जमीर काज़ी) - छत्रपति शिवाजी महाराज ने अठारापगड जातियों के मावलों को साथ लेकर स्वराज्य की स्थापना की थी। उन्होंने कभी किसी से द्वेष नहीं किया, लेकिन आज उनके नाम का दुरुपयोग कर भाजपा महाराष्ट्र की सामाजिक सद्भावना को तोड़ने की कोशिश कर रही है। इसी के तहत मत्स्यपालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के जरिए भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। भाजपा की यह साजिश महाराष्ट्र को तालिबान बनाने की है, जिसे जनता को पहचानना चाहिए। यह कहना है कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ का।

मुख्यमंत्री राणे को खुला समर्थन दे रहे हैं क्या? हर्षवर्धन सपकाळ ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि नितेश राणे लगातार संविधान और कानून को कुचलकर सांप्रदायिक बयानबाजी कर रहे हैं। क्या मुख्यमंत्री उन्हें समर्थन दे रहे हैं? और यदि नहीं, तो उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें।

राणे को लोगों के खान-पान पर बोलने का अधिकार किसने दिया?

उन्होंने कहा कि राणे रोजाना भड़काऊ और धार्मिक नफरत फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यह मंत्री यह तय कर रहा है कि मटन कौन खरीदे और किससे खरीदे। किसे क्या खाना है और कहां से खरीदना है, यह तय करने का अधिकार इस मंत्री को किसने दिया? जनता खुद फैसला करेगी कि उसे हलाल खाना है, झटका या कुछ और। यह मंत्री का काम नहीं है। नितेश राणे का इतिहास का कोई ज्ञान नहीं सपकाळ ने कहा कि नितेश राणे ने यह बयान देकर कि शिवाजी महाराज की सेना में एक भी मुस्लिम नहीं था, अपनी अज्ञानता साबित कर दी। उनका इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। महाराज की सेना में सरनोबत नूरखान बेग, तोपखाना प्रमुख इब्राहिम खान, अंगरक्षक इब्राहीम सिद्दी, वकील काज़ी हैदर जैसे कई मुस्लिम थे।

अफजल खान से मुलाकात के दौरान महाराज के १० अंगरक्षकों में इब्राहीम सिद्दी भी थे। वहीं, आगरा की कैद से निकलने में मदारी मेहतर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इतिहास को नकारने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

जय श्रीराम बोलने के लिए युवक की पिटाई सपकाळ ने कहा कि राणे के गुंडों ने कणकवली में शेख अशरफ नामक युवक को 'जय श्रीराम' बोलने के लिए पीटा था। इस मामले में कोर्ट के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। राणे खुलेआम सांप्रदायिकता भड़काने और दंगे करवाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस विभाग क्या सो रहे हैं? यह सवाल करते हुए सपकाळ ने राणे को तत्काल मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की।

पंकजा मुंडे और सुरेश धस फिर आमने-सामने

जिले के विवाद ने विधानसभा में पकड़ी आग

मुंबई, १२ मार्च (जमीर काज़ी) - बीते कुछ महीनों से विवादों में घिरा बीड जिला अब भाजपा के अंदरूनी कलह के कारण सुर्खियों में आ गया है। भाजपा नेता मंत्री पंकजा मुंडे और आष्टी के विधायक सुरेश धस के बीच चल रहा आंतरिक टकराव अब खुलकर सामने आ चुका है।

पंकजा मुंडे ने सुरेश धस पर जानबूझकर खुद की और पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया और पार्टी नेतृत्व से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, धस ने भी पंकजा मुंडे पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ शीर्ष नेतृत्व से शिकायत करने की चेतावनी दी।

दोनों ने पार्टी नेतृत्व से शिकायत की चेतावनी दी

भाजपा के दो बड़े नेता आमने-सामने, विपक्ष ने साधा निशाना भाजपा, जो बड़े बहुमत के साथ सत्ता में है, अब अपने दो वरिष्ठ नेताओं के टकराव के कारण विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विपक्ष ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि विधानसभा में जनता के मुद्दे उठाने के बजाय भाजपा के नेता अपने स्वार्थ के लिए आपस में लड़ रहे हैं।

संतोष देशमुख हत्या मामला बना विवाद की जड़

बीड जिला पिछले तीन महीनों से संतोष देशमुख हत्याकांड को लेकर विवादों में घिरा हुआ है। हत्या मामले के मुख्य आरोपी वाल्मीकि कराड से जुड़े भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों के चलते मंत्री धनंजय मुंडे को विधानसभा के दूसरे दिन ही इस्तीफा देना पड़ा। इस मुद्दे को सुरेश धस लगातार उठाते रहे, और इस दौरान वे पंकजा मुंडे पर भी अप्रत्यक्ष हमले कर रहे थे। लेकिन अब पंकजा मुंडे ने खुलकर सुरेश धस पर हमला बोल दिया।

धस कैमरों के साथ घूमते हैं, लेकिन धनंजय मुंडे से गुपचुप मिले - पंकजा मुंडे

पंकजा मुंडे ने एक इंटरव्यू में कहा कि सुरेश धस ने जानबूझकर परली विधानसभा क्षेत्र और पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले ही संतोष देशमुख मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है, फिर भी धस इसे बार-बार मीडिया में चर्चा में ला रहे हैं, जिससे पार्टी और जिले की बदनामी हो रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जो धस हमेशा कैमरे लेकर चलते हैं, उन्होंने धनंजय मुंडे से गुपचुप मुलाकात क्यों की?

परली में सबसे ज्यादा अपराध, वहां कार्रवाई होनी चाहिए - सुरेश धस

पंकजा मुंडे के आरोपों का जवाब देते हुए सुरेश धस ने विधानसभा परिसर में मीडिया से कहा कि वे किसी की बदनामी नहीं कर रहे, बल्कि बीड जिले में बढ़ते अपराधों पर आवाज उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि परली में सबसे ज्यादा अपराध, रंगदारी, हत्याएं और मारपीट के मामले होते हैं, इसलिए वहां सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संतोष देशमुख हत्याकांड के दोषियों को फांसी पर लटकाए जाने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

मैंने संयम रखा था, लेकिन अब करूंगा शिकायत - सुरेश धस

धस ने आरोप लगाया कि पंकजा मुंडे ने विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की बजाय 'सीटी' चुनाव चिन्ह वाले उम्मीदवार का प्रचार किया था। उन्होंने कहा, मैंने अब तक संयम रखा था, लेकिन अब मैं उनके खिलाफ पार्टी नेतृत्व से शिकायत करूंगा।

इस पर पंकजा मुंडे ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि उन्होंने प्रचार नहीं किया होता, तो धस चुनाव नहीं जीतते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान धस ने उन्हें समर्थन नहीं दिया था। विधानसभा में व्यक्तिगत टकराव बना बड़ा मुद्दा भाजपा के दो दिग्गज नेताओं के इस अंदरूनी झगड़े ने सत्ताधारी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। विधानसभा सत्र में जनता के मुद्दों पर चर्चा करने की बजाय दोनों नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं।

अब सबकी नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ नेता इस विवाद को कैसे सुलझाते हैं।

शादीशुदा महिलाओं को नामकरण का विकल्प मिलना चाहिए-सना मलिक

एनसीपी विधायक ने विधानसभा में उठाया मुद्दा, सरकार जल्द जारी करेगी नया जीआर

मुंबई, १२ मार्च - (अज़ीज़ एजाज) एनसीपी (अजीत पवार गुट) की विधायक सना मलिक ने विधानसभा में शादीशुदा महिलाओं के नामकरण से जुड़े सरकारी फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद महिलाओं को अपने नाम के साथ माता-पिता और पति के नाम को लेकर फैसला लेने का अधिकार मिलना चाहिए।

सना मलिक ने कहा कि वर्तमान सरकारी आदेश के अनुसार शादीशुदा महिलाओं के सरकारी दस्तावेजों में पहले उनका नाम, फिर पति का नाम और अंत में केवल माता का नाम दर्ज किया जाता है। यह प्रक्रिया महिलाओं के लिए जटिल हो सकती है, इसलिए सरकार को महिलाओं को दो विकल्प देने चाहिए - या तो वे अपने माता-पिता का नाम बरकरार रखें या फिर पति का नाम जोड़ें।

विधानसभा अध्यक्ष का निर्देश, सरकार लेगी निर्णय सना मलिक के इस सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है और सरकार को जल्द से जल्द उचित फैसला लेकर नया सरकारी आदेश (जीआर) जारी करना चाहिए। इस पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने सहमति जताते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। पुराने आदेश में क्या था? महिला एवं बाल विकास विभाग ने १४ मार्च २०२४ को एक सरकारी आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि: १ मई २०२४ के बाद जन्म लेने वाले बच्चों के लिए माता का नाम अनिवार्य होगा। शादीशुदा महिलाओं को अपने नाम के साथ पहले पति का नाम और फिर माता का नाम दर्ज कराना अनिवार्य होगा। महिलाओं को संपत्ति के दस्तावेजों में अपना पहला नाम रखने की अनुमति दी गई थी।अब सरकार इस नियम की समीक्षा कर रही है और महिलाओं को शादी से पहले और बाद में अपने नामकरण का अधिकार देने पर विचार कर रही है।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम में संशोधन लागू

मुंबई, १२ मार्च (जमीर काज़ी) - सरकारी प्रक्रिया में खामियों का फायदा उठाकर विदेशी नागरिकों द्वारा फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर अब रोक लगाई जाएगी। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने बुधवार को विधानसभा और विधान परिषद में घोषणा की कि राज्य में जन्म और मृत्यु पंजीकरण की प्रक्रिया में नए सुधार लागू किए गए हैं। यह बदलाव सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के तहत आज से प्रभावी होंगे।

तीन स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया अनिवार्य

मंत्री बावनकुळे ने बताया कि अब तीन स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। इसके लिए १७ बिंदुओं की पूर्ति अनिवार्य होगी। यदि आवेदक द्वारा जमा किए गए दस्तावेज फर्जी पाए गए, तो तत्काल आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र की प्रक्रिया होगी पारदर्शी

नए संशोधन के तहत प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी। गलत प्रमाणपत्र जारी करने पर सीधी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी प्रमाणपत्र पाए जाने पर होगी आपराधिक कार्रवाई-राजस्व मंत्री बावनकुळे

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों की आवश्यकता -

स्कूल प्रवेश

पासपोर्ट आवेदन

सातबारा नोंद (भूमि रिकॉर्ड)

शैक्षणिक और अन्य सरकारी कार्यों के लिए आवश्यक दस्तावेज

राजस्व विभाग के आदेशानुसार, २१ जनवरी २०२५ से विलंबित जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने पर लगी रोक हटा दी गई है। सख्त नियमों के साथ नए दिशा-निर्देश लागू

एक वर्ष से अधिक पुरानी जन्म-मृत्यु जानकारी मिलने पर विशेष प्राधिकारी द्वारा सत्यापन अनिवार्य। जहां व्यक्ति का जन्म या मृत्यु हुई है, वहां सटीकता की जांच के बाद विलंब शुल्क लेकर प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

१९६९ के जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम और २०२३ के संशोधन अधिनियम के अनुसार नई कार्यप्रणाली तय की गई है।

फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में जांच शुरू

विदेशी नागरिकों को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी करने की कई शिकायतें सरकार को मिली थीं। इन शिकायतों के आधार पर गृह विभाग ने नाशिक परिक्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में विशेष जांच समिति (डखढ) गठित की है। साथ ही, राजस्व विभाग ने २१ जनवरी २०२५ के आदेश के अनुसार विलंबित जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

अब दुरुपयोग संभव नहीं, होगी सख्त कार्रवाई राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने कहा -

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बेहद महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग भी किया जा रहा था। इसलिए अधिनियम में सुधार किए गए हैं। अब इस प्रक्रिया का कोई दुरुपयोग नहीं कर सकेगा। यदि कोई फर्जीवाड़ा करता है, तो उसे आपराधिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ना.अजितदादा के पालकमंत्री होने से बीड जिले का विकास बारामती जैसा होगा-आ.संदीप क्षीरसागर

बीड मतदाता संघ के महत्वपूर्ण मुद्दे बजट सत्र में उठाए गए

मुंबई, १२ मार्च (प्रतिनिधि) - इस बार बीड जिले के पालकमंत्री के रूप में ना. अजितदादा पवार की नियुक्ति से अगले पांच वर्षों में बीड जिले का विकास बारामती की तर्ज पर होने की उम्मीद है। यह विश्वास आ. संदीप क्षीरसागर ने व्यक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र में बीड मतदाता संघ के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दे सदन में उठाए।

बीड एमआईडीसी के विकास पर जोर

आ. संदीप क्षीरसागर ने कहा कि अगर बीड जिले में अपराध को खत्म करना है तो युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना जरूरी है। इसके लिए बीड एमआईडीसी (औद्योगिक क्षेत्र) का विकास आवश्यक है।

हाल ही में आ. संदीप क्षीरसागर ने बीड एमआईडीसी का प्रस्ताव लेकर ना. अजितदादा पवार से मुलाकात की थी। इस पर ना. अजितदादा ने संबंधित विभाग को निर्देश दिए थे। इसके बाद बीड में उपलब्ध २५० एकड़ जमीन का सर्वेक्षण भी पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की सभी आवश्यक सुविधाएं यहां मौजूद हैं, और कई बड़े उद्योगपति यहां निवेश के लिए तैयार हैं। इसलिए बीड एमआईडीसी के विकास के लिए वित्तीय सहायता दी जानी चाहिए।

बीड के नागरिकों को गर्मी में राहत देने की मांग

उन्होंने बीड शहर में पानी की आपूर्ति की समस्या को हल करने के लिए विशेष निधि देने की मांग की, जिससे नगर पालिका का बिजली बिल भरा जा सके।

इससे गर्मी के मौसम में नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

सिंचाई और जल संरक्षण योजनाओं पर ध्यान

टुकूर साठवण तलाव परियोजना - इस परियोजना को २००३ में स्वीकृति मिली थी, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण इसका काम अब तक अधूरा है। अगर चार अलग-अलग स्थानों पर छोटे बांध बनाए जाएं, तो तालाब जितनी ही जल भंडारण क्षमता प्राप्त की जा सकती है। यह परियोजना कम खर्च में पूरी हो सकती है, इसलिए इसे वित्तीय सहायता दी जानी चाहिए।

फुलसांगवी साठवण तलाव (२.८३ द.ल.घ.मी. क्षमता) - मानसून में होने वाले परिवर्तनों के कारण यह तालाब पूरी तरह नहीं भर पाता। अगर सिंदफणा नदी पर एक बड़ा बांध बनाया जाए या जलसिंचन प्रणाली के जरिए पानी इस तालाब तक पहुंचाया जाए, तो यह हमेशा अपनी पूरी क्षमता से भर सकता है। इससे आसपास के कई गांवों की सिंचाई समस्या हल होगी।

महापुरुषों की प्रतिमाओं के लिए निधि की मांग

बीड शहर में -

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा की ऊंचाई बढ़ाने

लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की पूर्णाकृति प्रतिमा की स्थापना

स्व. अण्णासाहेब पाटील और स्व. विनायकराव मेटे की प्रतिमाओं को पंचायत समिति परिसर में स्थापित करने

के लिए आ. संदीप क्षीरसागर ने विशेष निधि की मांग की।

बीड के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों की स्वीकृति की मांग आ. संदीप क्षीरसागर ने बजट सत्र में बीड मतदाता संघ के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति और वित्तीय सहायता देने की मांग की, जिससे बीड जिले का समग्र विकास संभव हो सके।

धनंजय देशमुख के साढ़ू का मारपीट करते हुए वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर वीडियो बम से बीड में फिर मची हलचल

बीड, १२ मार्च (प्रतिनिधि) - संतोष देशमुख हत्याकांड से जुड़े वीडियो पिछले कुछ दिनों से बड़े पैमाने पर वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी बीच, अब संतोष देशमुख के भाई धनंजय देशमुख के साढ़ू दादासाहेब खिंडकर के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

एक वीडियो में दादासाहेब खिंडकर एक युवक की बेरहमी से पिटाई करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वह एक गाड़ी की तोड़फोड़ कर रहे हैं।

युवक की पिटाई और गाड़ी तोड़फोड़ के वीडियो वायरल

बीड तालुका के बाभुळवाडी गांव के ओंकार सातपुते नामक युवक को चार लोगों के एक गिरोह ने पीटा, जिसमें दादासाहेब खिंडकर भी शामिल थे। इस मामले में पिंपळनेर पुलिस थाने में केस दर्ज की गई थी, लेकिन बाद में इसे आपसी समझौते से निपटा दिया गया।

इसके बाद, अब ठाकरे गुट के जिला प्रमुख परमेश्वर सातपुते की गाड़ी तोड़फोड़ और उनके घर पर हमले का एक वीडियो सामने आया है।सोशल मीडिया पर धनंजय देशमुख से सवाल

दादासाहेब खिंडकर धनंजय देशमुख के साढ़ू होने के कारण, सोशल मीडिया पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या धनंजय देशमुख अब भी मारपीट करने वालों का समर्थन करेंगे ?इस वीडियो के सामने आने से बीड में एक बार फिर माहौल गरम हो गया है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है।

बीड शहर पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक आयोजित

शिवजयंती, रमजान, होली और धुलेंडी को लेकर शांति बनाए रखने की अपील

बीड, १२ मार्च (संवाददाता) - बीड शहर पुलिस स्टेशन में शिवजयंती, रमजान, होली और धुलेंडी के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर पुलिस स्टेशन के निरीक्षक शीतलकुमार बल्लाड ने समिति के सदस्यों और नागरिकों से आगामी त्योहारों को सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील की।

सभी समुदायों से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील

पुलिस निरीक्षक शीतलकुमार बल्लाड ने कहा कि त्योहारों के दौरान शहर में किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सभी को सतर्क रहना चाहिए और आपसी सौहार्द बनाए रखना चाहिए। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों और आम जनता से शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की।

समाजसेवकों ने भी दिए सुझाव

इस मौके पर समाजसेवक मुसाखान ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सभी को एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया।

बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों और दोनों समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे अपने त्योहारों को प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएंगे।

मानूर के उपसरपंच पद पर मोहब्बत खान पठान निर्विरोध चुने गए, पंकजा मुंडे का आदर्श अपनाया।

शिरूर, १२ मार्च (प्रतिनिधि) - शिरूर तालुका के श्रीक्षेत्र नागनाथ मानूर ग्राम पंचायत के उपसरपंच पद के लिए चुनाव प्रक्रिया १२ मार्च को निर्विरोध संपन्न हुई। इस चुनाव में ग्राम पंचायत के सभी १४ सदस्य उपस्थित रहे, जिसमें मोहब्बत खान समशेर खान पठान को निर्विरोध उपसरपंच चुना गया। चुनाव ग्राम पंचायत के सरपंच अशोक मामा पाखरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

निर्विरोध निर्वाचन के बाद जाटवड़ के गोपीनाथ गढ़ पर जश्न

निर्विरोध चुनाव के बाद, सभी ग्राम पंचायत सदस्यों ने जाटवड़ के गोपीनाथ गढ़ पर जाकर विजय उत्सव मनाया।

पूर्व उपसरपंच के इस्तीफे के बाद नई नियुक्ति

दो वर्ष पूर्व हुए पंचायत चुनाव में सरपंच पद पर अशोक मामा पाखरे और उपसरपंच पद पर श्रीमती सविता अर्जुन बनसोडे चुनी गई थीं। हालांकि, हाल ही में श्रीमती बनसोडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके चलते यह पद रिक्त हो गया था।

इस रिक्त पद पर १२ मार्च को चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें तहसीलदार द्वारा सरपंच अशोक मामा पाखरे को चुनाव निर्णय अधिकारी नियुक्त किया गया। सुबह १० बजे चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हुई और दोपहर

१२ बजे तक नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी।

चूंकि उपसरपंच पद के लिए केवल एक ही नामांकन मोहब्बत खान समशेर खान पठान का दाखिल हुआ, इसलिए निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें निर्विरोध विजेता घोषित किया।

ग्राम पंचायत की बैठक में प्रमुख उपस्थिति

बैठक में ग्राम विस्तार अधिकारी डी.एम. वाणी सहित कई गणमान्य लोग और ग्राम पंचायत सदस्य उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से श्रीमती सविता अर्जुन बनसोडे, गुलाब दगडू पठान, गीता अनिल बडे, ललिता गहिनीनाथ सुरसे, सुभाष मोहनराव सीरसाट, ज्योति भगवान पाखरे, सुमय्या आदम पठान, रामदास बापूराव गावडे, मीरा भीमराव पवार, संजू विठ्ठल ढाकणे, वेणूबाई रणजीत गुजर, संपत बडे सर, विजयी जश्न में शामिल प्रमुख हस्तियां निर्विरोध उपसरपंच निर्वाचित होने के बाद ग्राम पंचायत के सभी सदस्य और ग्रामवासी जाटवड़ के गोपीनाथ गढ़ पहुंचे, जहां जश्न मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य लोग -

लिंबाशेठ नागरगोजे (ज्येष्ठ उद्योगपति), संतोष मानूरकर (संपादक), कलंदर काका पठान, पोपटराव शिरसाट, उल्हास पाखरे सर, पुलिस पाटिल जुबेर पठान, आजिनाथ बडे सर, दुधाजी बडे, अंकुश बडे मेजर, अर्जुन पाखरे, नामदेव मेजर बडे, बबन पंडागळे, अण्णा भगवान शिंदे, दत्तु माळी शिंदे, बबुशा देवडे,किरण गडदे, इसाक बागवान, अंकुश शिंदे, दिलीप पाखरे, सलीम पठान, निजाम बेग, राजू आव्हाड मेजर, विठ्ठल प्रभु बडे, भीवा पंडागळे, अविनाश पवार आदि मौजूद थे।

रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समाज को मिली भागीदारी

रमजान के पवित्र महीने के दौरान मानूर ग्राम पंचायत ने सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने की मिसाल पेश की है। सरपंच अशोक मामा पाखरे ने इस चुनाव में मुस्लिम समाज को प्रतिनिधित्व देने का फैसला लिया। मानूर गांव में तीन मुस्लिम सदस्य हैं, जिनमें से मोहब्बत खान पठान को उपसरपंच चुना गया।

गांव में हिंदू-मुस्लिम एकता की परंपरा हमेशा से रही है, जहां सभी त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य सरपंच अशोक मामा पाखरे द्वारा किया गया है।लोकनेता पंकजा मुंडे के आदर्श को अपनाया - सरपंच अशोक मामा पाखरे

सरपंच अशोक मामा पाखरे ने कहा -लोकनेता पंकजा मुंडे ने हमेशा कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया है कि राजनीति और समाज सेवा करते समय सभी जाति-धर्म के लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। हमने उनके आदर्शों को ध्यान में रखते हुए मुस्लिम समाज को मानूर ग्राम पंचायत में उपसरपंच पद का प्रतिनिधित्व दिया है।

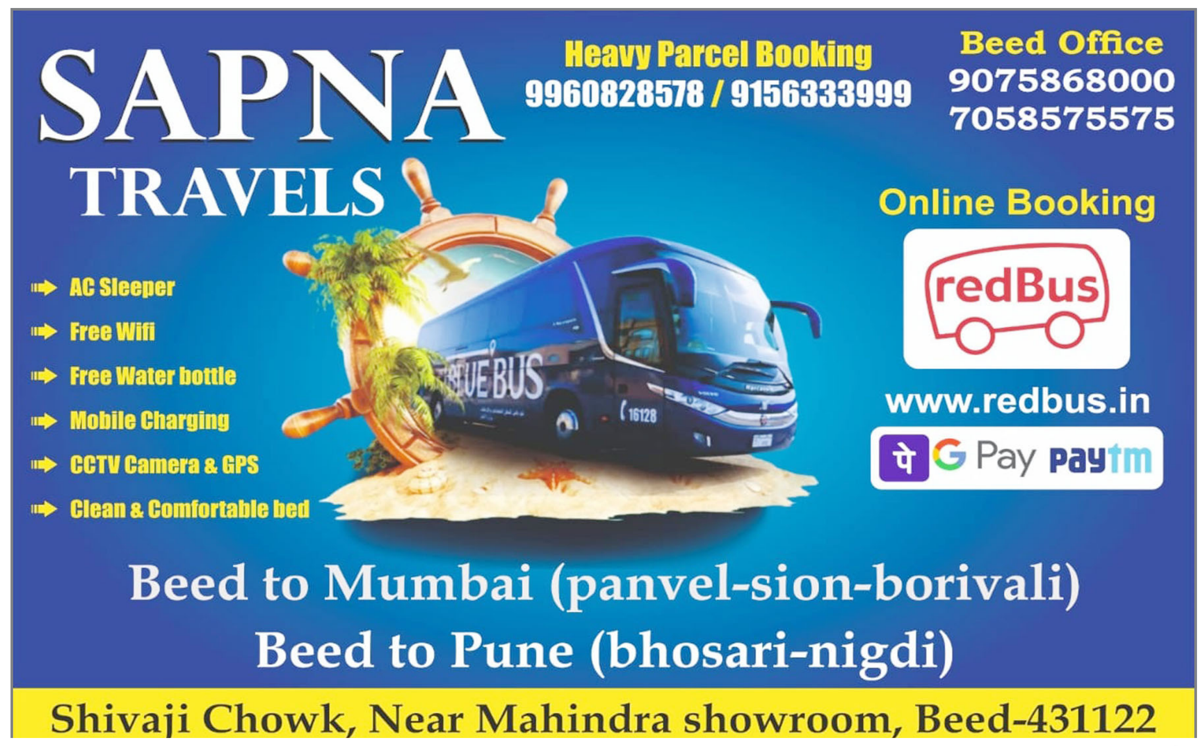

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com